एम.पी.ए.

एम.ए. (लोक प्रशासन)
द्वितीय वर्ष

सत्रीय कार्य
2021-22

एम.ए. लोक प्रशासन द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रमों के लिए

जुलाई 2021 और जनवरी 2022 सत्रों के लिए

एम.पी.ए.–15 : लोक नीति और विश्लेषण

एम.पी.ए.–16 : विकेंद्रीकरण और स्थानीय शासन

एम.पी.ए.–17 : इलैक्ट्रॉनिक शासन

एम.पी.ए.–18 : आपदा प्रबंधन

एम.एस.ओ.–002 : शोध पद्धतियाँ और विधियाँ

एम.पी.एस.–003 : भारत : लोकतंत्र एवं विकास

लोक प्रशासन संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

सत्रीय कार्य
2021-2022

प्रिय विद्यार्थी,

आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य अनिवार्य हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित है।

सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर आप अपने शब्दों में दें। यह अत्यंत आवश्यक है कि प्रश्न का उत्तर जितने शब्दों में देने के लिए कहा जाए उसका उत्तर लगभग उतने ही शब्दों में दीजिए।

सत्रीय कार्य पूरा करने के बाद आप इसे अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास जमा करें। सत्रीय कार्य जमा करने के बाद इसकी पावती अवश्य प्राप्त कर लें और इसे अपने पास संभाल कर रख लें। अच्छा हो कि आप अपने सत्रीयकार्यों के उत्तर की फोटोकॉपी भी अपने पास रख लें।

सत्रीय कार्यों के उत्तर जाँचने के बाद जाँचे गये उत्तर अध्ययन केन्द्र से आपको लौटा दिए जाएँगे। आप इसकी माँग अवश्य करें। अध्ययन केन्द्र आपके द्वारा प्राप्त अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, दिल्ली को भेज देगा। इसे आपके ग्रेड कार्ड में शामिल कर लिया जाएगा।

सत्रीय कार्य जमा करना

आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि सत्रांत परीक्षा देने से पहले आप सत्रींय कार्य अवश्य जमा करा दें। इसलिए आपको यह सलाह दी जाती है कि आप इसे दी गई अवधि के भीतर पूरा कर लें। एम.ए. प्रथम वर्ष में आपको कुल मिलाकर 4 सत्रीय कार्य करने हैं। सभी सत्रीयकार्यों की जमा करने की अंतिम तारीख में आपको काफी समय दिया गया है लेकिन आपको हम यह सलाह देना चाहते हैं कि आप अपने पाठ्यक्रम के अध्ययन के साथ-साथ इसे बारी बारी से पूरा करते चलें और इसी हिसाब से आप उसे जमा भी करते जाएँ ताकि आपको अंक, परामर्शदाता की टिप्पणी और मूंल्याकित सत्रीय कार्य मिलते रहें। सुनियोजित ढंग से योजना बनाकर आप निर्धारित अवधि के भीतर अपने सारे सत्रीय कार्य पूरे कर सकते हैं। सभी सत्रीयकार्यों को जमा करने के लिए अंतिम तारीख का इंतजार नहीं करें क्योकि एक ही साथ सारे सत्रीयकार्यों को हल करना आपके लिए मुश्किल हो जाएगा।

सत्र	सत्रीय कार्य जमा करने की तारीख	सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान
जुलाई 2021 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	**31 मार्च 2022**	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास
जनवरी 2022 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	**30 सितम्बर 2022**	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास

सवालों का जवाब देने से पहले नीचे दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िएः

सत्रीय कार्य के लिए निर्देश

इन सत्रीय कार्यों में दो तरह से सवाल पूछे जाएँगेः

1) प्रत्येक विवरणात्मक और निबंधात्मक प्रश्नों का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित होंगे।

2) प्रत्येक लघु श्रेणी प्रश्नों का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे।

निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखने से आपके लिए उत्तर देना आसान होगाः

क) **नियोजन :** सत्रीय कार्यों को ध्यान से पढ़िए। उन इकाइयों को ध्यान से पढ़िए जिनसे ये सवाल पूछे गए हैं। प्रत्येक सवाल का जवाब देने के लिए कुछ प्रमुख बिन्दुओं को अलग से लिख लें और इन्हें तार्किक ढंग से फिर से व्यवस्थित कर लें।

ख) **चयन :** अपने जवाब की रूपरेखा बनाते समय जरूरी बातों का ही उल्लेख करें। उत्तर को विश्लेषणात्मक बनाएँ। निबंधात्मक प्रश्न में प्रस्तावना और निष्कर्ष अवश्य शामिल करें। प्रस्तावना के अन्तर्गत उत्तर के प्रमुख पक्षों को प्रस्तुत करें और यह बताएँ कि आप इस सवाल का जवाब किस तरह से देने जा रहे हैं। अपने उत्तर के उपसंहार में मुख्य बिन्दुओं का सार भी दें।

उत्तर देते वक्त इस बात का ध्यान रखें किः

- आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो,
- वाक्यों और अनुच्छेद के बीच स्पष्ट संबंध हो,
- आपकी शैली, अभिव्यक्ति और प्रस्तुति के साथ-साथ आपके उत्तर भी सही हों
- यह चेष्टा करें कि आपके उत्तर शब्द सीमा से अधिक न हों।

ग) **प्रस्तुति :** जब आप संतुष्ट हो जाएँ तो सत्रीय कार्यजमा करने से पहले इसे साफ-साफ लिख लें। जिन बिंदुओं पर आप बल देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित भी कर सकते हैं।

घ) **व्याख्या :** इतिहास लेखन में व्याख्या एक निंरतर प्रक्रिया है। यह आपकी योजना और चयन में पहले ही अभिव्यक्त हो चुका है। "हो सकता है", "संभव है", "हो सकता था", आदि जैसी व्याख्यात्मक टिप्पणियाँ खुद ब खुद लेखन में व्याख्या के तथ्य शामिल कर लेती हैं। यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि इस प्रकार की टिप्पणियों के साथ-साथ आपके उत्तर में इसे पुष्ट करने वाले तथ्य भी शामिल होने चाहिए।

एम.पी.ए.-015: लोक नीति और विश्लेषण
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.-015
सत्रीय कार्य कोड : : एम.पी.ए.-015
ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2021–22
पूर्णांक : 100

प्रिय छात्र/छात्राओं

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग में से दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के 20 अंक हैं।

भाग – I

1. नीति विज्ञान के महत्व की चर्चा कीजिए तथा समकालीन संदर्भ में लोक नीति के प्रति उसकी प्रासंगिकता को उजागर कीजिए। **20**
2. तर्कसंगत नीति–निर्माण मॉडल की जाँच कीजिए। **20**
3. लोक नीति निरूपण की बाधाओं को उजागर करते हुए, भारतीय लोक नीति में वर्तमान प्रतिमान परिवर्तन का वर्णन कीजिए। **20**
4. ''नीति–निर्माण में नागरिक समाज एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।'' जाँच कीजिए। **20**
5. नीति वितरण में विभिन्न कार्यान्वयन अभिकरणों की भूमिका का वर्णन कीजिए। **20**

भाग – II

6. नीति कार्यान्वयन में विभिन्न प्रकार की क्या समस्यायें हैं? नीति कार्यान्वयन के अध्ययन में कई प्रकार के दृष्टिकोणों के अनुसरण की आवश्यकता का औचित्य स्पष्ट कीजिए। **20**
7. इष्टतमीकरण मॉडल की अपेक्षा अनुकरण मॉडल कैसे अधिक उपयुक्त होते हैं? **20**
8. नीति विश्लेषण में उपयोग की जाने वाली विधियों और तकनीकों की व्याख्या कीजिए। **20**
9. नीति–मूल्यांकन की विधियों का वर्णन कीजिए। **20**
10. विनिवेश नीति की चर्चा कीजिए तथा राज्य स्तर पर इसके प्रभाव को उजागर कीजिए। **20**

एम.पी.ए.-016: विकेन्द्रीकरण और स्थानीय शासन
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.-016
सत्रीय कार्य कोड : : एम.पी.ए.-016
ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2021–22
पूर्णांक : 100

प्रिय छात्र/छात्राओं

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग में से दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के 20 अंक हैं।

भाग – I

1. भारत में लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण के विकास और महत्व की चर्चा कीजिए। 20
2. सशक्तिकरण सुनिश्चित करने की समस्याओं को उजागर करते हुए सशक्तिकरण की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। 20
3. विकेन्द्रीकरण के राजनीतिक–प्रशासनिक घटकों का वर्णन कीजिए तथा उन्हें सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक उपाय सुझाइए। 20
4. स्वास्थ्य क्षेत्र में स्थानीय प्राधिकरणों तथा विशिष्ट कार्य अभिकरणों के बीच भागीदारी की जाँच कीजिए। 20
5. '74वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम 1992, के पश्चात्, नगरपालिकायें आधारभूत स्तर पर स्थानीय स्वशासन की प्रभावशाली संस्थाओं के रूप में कार्य कर रही हैं।' टिप्पणी कीजिए। 20

भाग – II

6. विकेन्द्रित विकास के प्रभाव की चर्चा कीजिए। 20
7. संस्थागत क्षमता निर्माण की व्याख्या कीजिए तथा निर्वाचित प्रतिनिधियों/कर्मियों की क्षमता निर्माण के तरीके सुझाइए। 20
8. विकास योजना की विभिन्न आवश्यकताएं क्या हैं? 20
9. स्थानीय सरकार की संरचना, शक्तियों और कार्यों की जाँच कीजिए। 20
10. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 20

    क) जन भागीदारी के तौर–तरीके

    ख) सतत् विकास और शासन

एम.पी.ए.-017: इलेक्ट्रॉनिक शासन
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.-017
सत्रीय कार्य कोड : : एम.पी.ए.-017
ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2021–22
पूर्णांक : 100

प्रिय छात्र/छात्राओं

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग में से दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के 20 अंक हैं।

भाग – I

1. ई–गवर्नेन्स तथा भारत में ई–गवर्नेन्स एवं सूचना व संचार प्रौद्योगिकी के कानूनी तथा नीतिगत ढाँचे को परिभाषित कीजिए। **20**
2. सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के विभिन्न घटकों जैसे कम्प्यूटर हार्डवेयर, कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर, लोकल एरिया नेटवर्क (LAN), वाइड एरिया नेटवर्क (WAN) तथा उपग्रह की व्याख्या कीजिए। **20**
3. प्रशासन में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की भूमिका की जाँच कीजिए। **20**
4. 'प्रशासनिक संस्कृति को ई–गवर्नेन्स के प्रति अनुकूल होना चाहिए।' चर्चा कीजिए। **20**
5. महिला सशक्तिकरण तथा कृषि क्षेत्र की आधुनिकता में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी द्वारा निभाई गई भूमिका को स्पष्ट कीजिए। **20**

भाग – II

6. स्थानीय शासन में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के हस्तक्षेप की आवश्यकता और महत्व का वर्णन कीजिए तथा पंचायती राज संस्थाओं में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग क्षेत्रों का विस्तृत वर्णन कीजिए। **20**
7. ई–अधिनियम की अवधारणा तथा महत्व पर एक टिप्पणी कीजिए। **20**
8. ई–कॉमर्स (ई–वाणिज्य) के लाभों एवं सीमाओं का विस्तृत वर्णन कीजिए तथा इलैक्ट्रॉनिक भुगतान का वर्णन भी कीजिए। **20**
9. भारतीय रेलवे में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के प्रयोगों पर एक टिप्पणी लिखिए। **20**
10. ई–सेवा परियोजना के तहत प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाओं का वर्णन कीजिए। **20**

एम.पी.ए.-018: आपदा प्रबंधन
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.-018
सत्रीय कार्य कोड : : एम.पी.ए.-018
ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2021–22
पूर्णांक : 100

प्रिय छात्र/छात्राओं

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग में से दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के 20 अंक हैं।

भाग – I

1. आपदा को परिभाषित कीजिए तथा भारत में प्राकृतिक आपदाओं का अवलोकन कीजिए। **20**
2. आपदा चक्र की विभिन्न अवस्थाओं की संक्षिप्त में चर्चा कीजिए। **20**
3. आपदा प्रबंधन की प्रमुख नवीन प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। **20**
4. 'जोखिम सह भाजन और हस्तांतरण द्वारा समुत्थान शक्ति के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होता है।' चर्चा कीजिए। **20**
5. समुदाय आधारित आपदा प्रबंधन पर एक टिप्पणी लिखिए। **20**

भाग – II

6. बचाव की विभिन्न विधियों की व्याख्या कीजिए। **20**
7. आश्रय व्यवस्था के मार्गदर्शी सिद्धांतों का मूल्यांकन कीजिए। **20**
8. आपातकालीन प्रचालन केन्द्रों (EOC) पर एक टिप्पणी लिखिए। **20**
9. प्रथम प्रतिक्रिया के तर्क को परिभाषित कीजिए तथा प्रथम अनुक्रियाकर्ता के रूप में लोगों की भूमिका की चर्चा कीजिए। **20**
10. आपदाओं और विकास के बीच संबंध का विश्लेषण कीजिए। **20**

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में कोर पाठ्यक्रम
एम.एस.ओ.–002: शोध कार्यपद्धतियाँ एवं विधियाँ
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कार्यक्रम कोडः एमएसओ
पाठ्यक्रम कोडः एसएसओ–002
सत्रीय कार्य कोडः एमएसओ–002/सत्रीय कार्य/टीएमए/2021–22

अधिकतम अंकः 100
अधिभारिताः 30:

दोनों भागों के प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग–क

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिएः

1. अनुभववाद क्या है? डेविड ह्यूम के योगदान को ध्यान में रखते हुए चर्चा कीजिए। 25
2. संजाति वृत क्या है? यह सर्वेक्षण शोध से किस तरह से भिन्न है? 25
3. सामाजिक विज्ञान शोध में प्रयुक्त तुलनात्मक विधि की प्रकृति और विस्तार–क्षेत्र (scope) की आलोचनात्मक जाँच कीजिए। 25
4. सामाजिक शोध संबंधी सहभागी दृष्टिकोण की चर्चा कीजिए। 25
5. सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में शोध की ऐतिहासिक विधि का वर्णन कीजिए। 25

भाग–ख

निम्नलिखित विषयवस्तुओं में से किसी *एक* पर लगभग 3000 शब्दों में शोध रिपोर्ट लिखिए।

1. महामारी की स्थिति में राज्य की भूमिका 50
2. समकालीन भारतीय समाज में युवाओं की भूमिका 50
3. भारत में ऑनलाइन शिक्षा का महत्व 50

आप इस रिपोर्ट को साहित्य की समीक्षा या प्राथमिक स्रोतों से संग्रहित आँकड़ों के आधार पर लिख सकते हैं।

साहित्य की समीक्षा के लिए आपको अपनी पसंद के चयनित विषय पर हाल ही में प्रकाशित किन्हीं दो पुस्तकों या चार शोध लेखों का चयन करना होगा। समीक्षा लेख अध्ययन की अवस्थिति और इन अध्ययनों में प्रयुक्त प्रविधि और इन अध्ययनों के मुख्य परिणामों को ध्यान में रखते हुए लिखिए।

प्राथमिक स्रोत के लिए आपको दो केस अध्ययन संग्रहित करने होंगे और चयनित विषयवस्तु पर अपनी रिपोर्ट तुलनात्मक ढाँचे में लिखें। रिपोर्ट लेखन के दौरान अध्ययन के उद्देश्यों और सम्मुख आने वाली समस्याओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें और

- चयनित मुद्दे को वर्तमान/उपलब्ध साहित्य के दायरे में एक समस्या के रूप में अभिव्यक्त करें,
- अपने प्रेक्षणों, निष्कर्षों एवं परिणामों की प्रस्तुति संसक्त रूप से करें और अंत में उचित संदर्भ (बिंदुओं) का उल्लेख करें।

एमपीएस–003 : भारत : लोकतंत्र एवं विकास
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रमकोडः एमपीएस–003
सत्रीय कार्यकोड : एएसएसटी/टीएमए/2021–22
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. चर्चा कीजिए कि किस प्रकार लोकतंत्र और विकास एक दूसरे से सह–संबंधित हैं।

2. भारत में संघीय व्यवस्था की कार्यप्रणाली का विश्लेषण कीजिए।

3. भारतीय लोकतंत्र में 73वें और 74वें संवैधानिक संशोधनों के महत्व की चर्चा कीजिए।

4. भारत में संसदीय लोकतंत्र की कार्यप्रणाली का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

5. निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिएः

   क) नक्सलबाड़ी किसान विद्रोह
   ख) मानवविकास के संकेतक

भाग–II

6. भारत में मजदूर वर्ग पर नई आर्थिक नीति के प्रभाव का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

7. निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिएः

   क) भारतीय लोकतंत्र में जाति
   ख) जैंडर और विकास

8. भारत में क्षेत्रवाद के फैलाव के कारकों की चर्चा कीजिए।

9. भारतीय लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

10. निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिएः

    क) पलायन के आर्थिक परिणाम
    ख) भारत में पहचान की राजनीति